अच्छी खबर | क्षीर स्कैनर का 26 सितंबर को राष्ट्रपति करेंगे लोकार्पण

दूध में मिलावट जांचने का उपकरण बनाया सीरी की टीम ने, राष्ट्रपति करेंगे लोकार्पण

भास्कर संवाददाता | झुंझनूं

दूध में मिलावट की जांच के लिए सीरी पिलानी के वैज्ञानिकों की ओर से तैयार क्षीर टेस्टर को 26 सितंबर को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद देश को समर्पित करेंगे। नई दिल्ली में देश के सबसे बड़े अनुसंधान संस्थान सीएसआईआर के 75वें स्थापना दिवस पर विज्ञान भवन में यह समारोह होगा। टीम की ओर से बनाए गए क्षीर स्कैनर को फिलहाल देश की विभिन्न डेयरियों में काम में लिया जा रहा है। अब दूध में मिलावट की ऑन द स्पॉट जांच के लिए इसका छोटा रूप क्षीर टेस्टर तैयार किया गया है।

पिलानी स्थित सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीईईआरआई-सीरी) की लेबोरेट्री में 2006 से डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (डीएसटी) द्वारा प्रायोजित प्रोजेक्ट "'इलेक्ट्रॉनिक टंग' पर अनुसंधान शुरू हुआ। मकसद यह जांच करना था कि हम जो खाते-पीते हैं वे चीजें हमारे स्वास्थ्य के लिए गुणवत्ता पर खरी हैं या नहीं। सीरी के वैज्ञानिक डॉ. पीसी पंचारिया के निर्देशन में इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू हुआ। उन्होंने बताया कि हमारी बायोलॉजीकल टंग (जीभ) विभिन्न तरह के स्वाद का पता लगा सकती है। हूबहू उन्हीं स्वाद को वैसा ही टेस्ट करने के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक जीभ ईजाद की गई जो शराब, फ्रूट जूस आदि पेय पदार्थों के स्वाद की टेस्टिंग में सौ फीसदी खरी उतरी।

अनुसंधान के परिणाम उम्मीद से बढ़ कर रहे तो हमारे वैज्ञानिकों का उत्साह दुगुना हो गया और एक क्षीर स्कैनर (दूध मिलावट की जांच का उपकरण) तैयार कर दिया। यह क्षीर स्कैनर फिलहाल देश में विभिन्न स्थानों पर 350 डेयरियों पर दूध में मिलावट व इसकी गुणवत्ता जांचने में काम आ रहा है। करीब दो साल के अनुसंधान के बाद सीरी पिलानी में डॉ. पंचारिया के निर्देशन में ही उनकी टीम ने क्षीर स्कैनर को छोटे रूप में तैयार किया है। यह मशीन ऑन द स्पॉट जांच कर बताएगी कि दूध में मिलावट है या नहीं।

अब ऑन द स्पॉट हो सकेगी दूध की जांच

सीरी लेबोरेट्री में दूध में मिलावट की जांच करने वाले उपकरण क्षीर स्कैनर के छोटे रूप क्षीर टेस्टर पर अनुसंधान करते शोधकर्ता।

आपके घर दूधिया जो दूध देकर गया है उसमें मिलावट तो नहीं है। आपका बच्चा जो दूध पी रहा है, उससे उसके स्वास्थ्य को कोई खतरा तो नहीं है इसकी जांच के लिए सीरी पिलानी के वैज्ञानिकों ने एक उपकरण ईजाद किया है। इसकी कीमत बजट के अनुसार हो इसका पूरा ध्यान रखा गया है ताकि आप यह मशीन अपने घर में रख सकें। महज एक मिनट में यह मशीन अपने स्क्रीन पर दूध की कुंडली सामने रख देगी। आमजन से जुड़ी इस तकनीक को ईजाद करने वाली सीरी पिलानी की टीम के काम को सीएसआईआर के महानिदेशक डॉ. गिरीश साहनी ने भी सराहा है।